एकादशी से मां नर्मदा की पंचचैकी महाआरती का शुभारंभ : कलेक्टर

मंडला, देशबन्धु। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि देवउठनी एकादशी 12 नवंबर से माँ नर्मदा नदी के महिष्मति घाट में पंचचैकी महाआरती प्रारंभ की जाएगी। महाआरती आयोजन के लिए संपूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। पंचचैकी महाआरती के आयोजन के लिए ट्रस्ट का निर्माण कर खाता खोला गया है। ट्रस्ट द्वारा खोले गए खाते में कोई भी नागरिक दान स्वरूप राशि जमा कर सकता है। उक्त राशि पंचचैकी महाआरती आयोजन में व्यय की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पंचचैकी महाआरती का संचालन के लिए बनाए गए ट्रस्ट में कोई भी नागरिक एक लाख 51 हजार रूपए जमा कर संरक्षक सदस्य बन सकता है। उक्त संरक्षक सदस्य को जिला शांति समिति में भी सदस्य बनाया जाएगा। 21 हजार रूपए जमा करने वाले व्यक्ति को अस्थाई सदस्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष भी इस समिति में सदस्य बन सकेंगे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा शनिवार को जिला योजना भवन में माँ नर्मदा नदी की पंचचैकी महाआरती के आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक में समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, व्यापारीगण, श्रद्धालु और पत्रकारगण मौजूद थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आयोजित बैठक में निर्देशित किया कि पंचचैकी महाआरती ट्रस्ट के बैंक खाते में अपनी स्वेच्छानुसार राशि दान कर सकते हैं। जिसके तहत स्थाई सदस्य के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पत्रकार नीरज अग्रवाल और संजय तिवारी, उमाशंकर सिंधिया, मनोज भागवानी, अविनाश जैन, किशोर कल्पिवार, रितेश अग्रवाल और गनी खान ने संरक्षक सदस्य बनने के लिए एक लाख 51 हजार रूपए जमा किए। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि पंचचैकी महाआरती का लाईव टेलीकास्ट किया जाएगा। इस दिन चुनरी एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी। घाट की साफ-सफाई और पुताई कराई जा रही है। महिष्मति घाट नामकरण का पत्थर व बोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिष्मति घाट की दीवारों में वॉलपेंटिंग कराई जाएगी। स्थानघाट एवं भोजनघाट अलग-अलग स्थापित किए जाएंगे। पंचचैकी महाआरती स्थल में पुताई एवं प्रकाश का प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रसादी का भी प्रबंध किया जाएगा। महिष्मति घाट में साबुन से स्नान करने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार से महिष्मति घाट में कपड़े धोने वालों पर भी दण्ड अधिरोपित किया जाएगा। महिष्मति घाट में वाहन धोने वालों पर भी कार्यवाही की जाएगी।

पंचचैकी महाआरती समिति में दस समाजसेवी 1.51 लाख रुपए जमा कर संरक्षक सदस्य बने

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि 14 और 15 नवंबर को मंडला में दो दिवसीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। गौरव दिवस के अवसर पर जिले में वीर नायकों की गौरव गाथा, खेल प्रतियोगिता, गोंडी पेंटिंग एवं लोकनृत्य आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गौरव दिवस कार्यक्रम में मिलेट फेस्टिवल, रोड शो और शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। नुक्कड़-नाटक का आयोजन कर शासन की योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। गौरव दिवस के कार्यक्रम में मंडला जिले की लोक संस्कृति, लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। गौरव दिवस के अवसर पर नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई व रंग रोगन कर उनका सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। इस कार्य में जिले के जनप्रतिनिधि, विभाग, एनजीओ, जन अभियान परिषद, व्यापारी संघ तथा जिले के नागरिकों को शामिल किया जाएगा। मंडला जिले के परंपरागत खेल खोखो, पिट्ठू का खेल, रस्साकसी, गिल्ली डंडा इत्यादि को शामिल किया जाएगा। विभागों के द्वारा झाकियाँ निकाली जाएगी, स्टॉल लगाए जाएंगे, कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, कत्थक नृत्य के कार्यक्रम भी होंगे।

छात्रों ने आर्ट एंड क्राफ्ट, चित्रकला, विज्ञान विषय पर लगाई प्रदर्शनी

मंडला, देशबन्धु। माउन्ट फोर्ट स्कूल में प्राइमरी स्कूल के छात्रों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों से संबंधित प्रोजेक्ट तैयार कर उनका प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन ने किया। इस दौरान उप प्राचार्य ब्रदर आनंद, कोर्डिनेटर एवंजेलीन कुशराम, राहत कुरैशी, प्रीति राय समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा। इसके बाद संस्था प्राचार्य, उप प्राचार्य, कोऑर्डिनेटर ने सभी कक्षाओं में जाकर सभी विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट देखे और उनका उत्साह वर्धन किया।

प्राइमरी स्कूल के छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में छात्रों के सभी अभिभावकों ने भी सभी विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट को देखकर उनकी सराहना की। सभी विद्यार्थियों ने आर्ट एंड क्राफ्ट, चित्रकला, विज्ञान और सभी विषयों के उत्कृष्ट प्रोजेक्ट बनाए। विद्यालय में सभी अभिभावकों छात्रों के लिए फूड स्टॉल लगाया गया। फूड स्टॉल से प्राप्त होने वाली राशि को जरूरत मंद गरीबों को बांट दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, उप प्राचार्य ब्रदर आनंद, कोर्डिनेटर समस्त शाला स्टाफ और शाला प्रबंधन का सहयोग सराहनीय रहा।

सार-समाचार

सक्षम बेटी-सक्षम मंडला कार्यक्रम आयोजित

भुआ बिछिया, देशबन्धु। शनिवार को सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय भुआ बिछिया में कलेक्टर मंडला के निर्देशन में संचालित कार्यक्रम अपराजिता के तहत सक्षम बेटी सक्षम मंडला के माध्यम से विद्यालय में आत्मरक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रवीण मालवीय, प्रशिक्षक अकल सिंह मरावी, कु.अनामिका उईके विद्यालय के प्राचार्य लक्ष्मी नारायण मिश्र, आचार्य परिवार एवं विद्यालय की छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

संकुल स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित

भुआ बिछिया, देशबन्धु। शनिवार को कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुआ बिछिया में गौरव दिवस के उपलक्ष्य में संकुल स्तरीय क्री?ा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें संकुल अंतर्गत समस्त विद्यालय सम्मिलित हुए । कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुलदीप कठल मुख्य अतिथि रहे ।जिनके मार्गदर्शन में समस्त खेल आयोजित किए गए। कार्यक्रम वीरेंद्र सिंह परतेती प्राचार्य कन्या बिछिया , संभु मरकाम प्रधानाध्यापक एवं एन एस तेकाम प्राचार्य किसली भिलवानी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

बुढ़नेर नदी में नहाते तीन बच्चे डूबे, दो को निकाला बाहर

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले के मोहगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढनेर नदी में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे तीन बच्चे डूब गए। तीनों बच्चे नदी में नहाने के लिए उतरे थे। तीनों बच्चे गहरे पानी में चले गए। जिसके कारण बच्चों ने अपना संतुलन खो बैठा और गहरे पानी में डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन एक बच्चा डूब गया। जिसकी तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और बच्चों की पतासाजी में जुट गई। समाचार लिखे जाने तक नदी में डूबा बच्चा नहीं मिल सका है।

जानकारी अनुसार कार्तिक माह चल रहा है। इस माह स्नान करने का महत्व है। जिसके कारण लोग नदियों में स्नान के लिए पहुंच रहे है। शनिवार को भी ग्राम कसोटा के रहने वाले तीन बच्चे बुढनेर नदी में कार्तिक स्नान के लिए पहुंचे थे। तीनों बच्चों ने स्नान के लिए नदी में आगे बढ़े लेकिन तीनों गहरे पानी में चले गए। जिसके कारण तीनों नदी में डूबने लगे। नदी में मौजूद लोगों ने बच्चों को डूबता देख तुरंत उन्हें बचाने नदी में कूद पड़े और दो बच्चों को सकुशल बचा लिया गया, लेकिन एक बच्चा गहरे पानी में लापता हो गया।

नारायणगंज में बनाए जा रहे 70 प्लस के बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड

नारायणगंज, देशबन्धु। मंडला जिले में अब 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनना शुरू हो गए हैं। इस योजना के तहत नारायणगंज ब्लाक के सभी ग्रामों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। नारायणगंज के ग्राम पटेहरा समेत अन्य ग्रामों के स्वास्थ्य केन्द्रों में 70 प्लस के बुजूर्गो का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य कर्मी मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे है।

बताया गया कि नारायणगंज क्षेत्र में आयुष्मान योजना के तहत 70 प्लस के बुजूर्गो का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने बताया कि 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों का नि: शुल्क उपचार किया जाएगा। अस्पताल में भर्ती होने पर बुजुर्ग को एक साल में पांच लाख तक इलाज की पेपर लेस और कैश लेस व्यवस्था की गई है। बताया कि 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मंडला जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 6, 7 और 8 नवंबर को जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों में विशेष केम्प लगाए जा रहे हैं।

आज आंवला के पेड़ का पूजन कर उसके नीचे बैठकर करेंगी भोजन

मंडला, देशबन्धु। हिन्दू धर्म पर प्रकृति पूजन को काफी मान्यता दी गई है, चाहे वन्यजीव हों या फिर पेड़-पौधे इन्हें धर्म से जोड़कर एक तरह से इनके संरक्षण का संदेश देने का प्रयास किया गया है। दीपावली के बाद दूसरे दिन जहां गाय-बैल का पूजन किया जाता है तो वहीं आज आंवला नवमी का त्यौहार मनाया जाएगा। जिसमें आंवला के पेड़ का पूजन किया जाएगा।

आंवला नवमी के दिन विशेषकर आंवले के समीप स्नान, दान, जप, यज्ञ, हवन पूजन एवं उसके नीचे भोजन करने से अनंत गुना एवं अक्षय पुण्य प्राप्त होता है। अक्षय पुण्य का अर्थ है जो पुण्य कभी नष्ट ना हो अन्य सामान्य पुण्य अपना एक बार फल देकर समाप्त हो जाते हैं, लेकिन अक्षय पुण्य हर एक जन्म में अपना फल देते रहते हैं। ज्यों के त्यों बने रहते हैं। आंवला नवमी का त्यौहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है जिसमें आंवले के वृक्ष का पूजन एवं इसके नीचे भोजन करने का महत्व है।

पंडित विजयानंद शास्त्री ने बताया कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी आंवला शरीर के लिए काफी पौष्टिक माना गया है, जिससे शरीर के लिए जरूरी विटामिन सी सबसे अधिक मात्रा में पाया जाता है। वहीं धार्मिक दृष्टि से देखें तो आंवले के वृक्ष को साक्षात विष्णु भगवान का स्वरूप माना गया है। विशेषकर कार्तिक मास में इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि कार्तिक मास में विष्णु भगवान सहित 33 कोटि देवता आंवले के वृक्ष के नीचे रहते हैं। इसके साथ ही समस्त तीर्थ गंगादि पवित्र नदियां भी कार्तिक मास में आंवले के वृक्ष के नीचे रहती हैं। पंडित विजयानंद शास्त्री ने बताया कि आंवले के वृक्ष के चारों ओर की भूमि अत्यंत पवित्र एवं सभी तीर्थों से युक्त रहती है। अक्षय नवमी के दिन आंवले का पूजन उसकी परिक्रमा एवं उसमें सूत्र (धागा) लपेटने का महत्व है।

चमत्कारी कुंड जहां स्नान से ठीक होते हैं चर्मरोग

मंडला, देशबन्धु। मंडला शहर के प्राकृतिक सुन्दरता से परिपूर्ण चमत्कारिक गर्म पानी कुण्ड के बारे में जानेंगे। सर्दियों के मौसम में देशी और विदेशी पर्यटक यहाँ आकर नहाने का आनंद लेते है। मंडला जिले के इस पिकनिक स्पॉट और प्रकृति के विपरीत इस कुण्ड के बारे जानने की जिज्ञासा भी मन में है तो चलिए जानते है की इस कुण्ड का पानी क्यों गर्म रहता है? और यहाँ नहाने से क्या लाभ होता है?

गर्म पानी कुंड कहां है

गर्म पानी कुण्ड मंडला जिला मुख्यालय से 18 किमी. दूर जबलपुर मार्ग में बबैहा और चिरईडोंगरी के बीच में ग्राम पंचायत ग्वारी के पास स्थित है। इसके निकट में ही नर्मदा नदी और बरगी डेम का वाटर बैंक क्षेत्र है, यह स्थान नर्मदा नदी के पानी से चारो तरफ से घिरा एक छोटा मानवनिर्मित टापू है। इस कुण्ड का जल वर्ष भर गर्म रहता है।

यह पूरा क्षेत्र घने वन से घिरा हुआ है और नर्मदा नदी के मनमोहक दृश्य के साथ ही यहाँ के शांत वातावरण में आपका मन प्रफुल्लित हो उठेगा। इस कुण्ड के पानी का तापमान हर मौसम में 5-6 डिग्री से अधिक बना रहता है, आस-पास के नर्मदा जल का तापमान मौसम के अनुसार कम ज्यादा होता रहता है। कहा जाता है की इस कुण्ड में स्नान करने से चर्म रोग ठीक होता है।

गर्म पानी कुंड कैसे पहुचें

गर्म पानी कुण्ड मंडला में जाने के लिए आपको मंडला जबलपुर हाइवे मार्ग में चलना होगा आप यहाँ अपने निजी वाहन से जा सकते है और टेक्सी, ऑटो बुक करके भी आप जा सकते है।

गरम पानी कुंड की अब स्थिति

गर्म पानी कुण्ड मंडला: इस प्राकृतिक कुण्ड का जीर्णोद्धार कर सतह से उपर उढ़ाकर ऊंचाई पर बनाया गया ताकि यह वर्ष भर पर्यटकों के लिए खुला रहे और इसके बाद यह पर्यटक स्थल का पूर्ण रूप ले चुका है। कुण्ड के चारो तरफ पक्का फर्श, सीढियाँ और कुण्ड तक जाने के लिए पक्की सड़क का निर्माण कर दिया गया।

कुण्ड की गहराई अधिक होने के कारण उपरी सतह से 5.5 फिट नीचे सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लोहे की रोड की जालीनुमा संरचना लगाई गई है ताकि स्नान करते हुये किसी प्रकार की घटना न हो। इस संरचना में थोड़ी जगह खाली है जो किसी उद्देश्य से खाली रखी गई है इसलिए स्नानध्नहाते समय सावधानी रखें।

कुंड का इतिहास

पूर्व में यह गर्म पानी कुण्ड (मंडला) ना इतनी ऊंचाई में था ना ही इसके चारों तरफ पानी का इतना भराव था, मात्र एक छोटा से कुण्ड की संरचना थी जिसमे से वर्ष भर गरम पानी निकलता रहता था। नर्मदा नदी में बरगी बांध के निर्माण के बाद यह स्थान पूर्ण रूप से जलभराव की वजह से डूब गया था और गर्मी के मौसम में ही दिखाई देता था, इसके पश्चात स्थानीय ग्रामीणों के प्रयास से शासन द्वारा इसका जीर्णोद्धार कराया गया और उपर उठाकर इस कुण्ड का नवनिर्माण किया गया।

प्राचीन मान्यता है की इस स्थान में भगवान परशुराम ने तपस्या की थी, उनके तेज से ही यहाँ का पानी गर्म हुआ है। यहाँ पास ही एक छोटा मंदिर है जिसमे प्राचीन मूर्तियाँ रखी हुई है। इस कुण्ड में स्नान से खुजली, चर्म रोग और अन्य दूसरी त्वचा सम्बन्धी बिमारियों से मुक्ति मिलती है।

कुंड का वैज्ञानिक पहलू

नर्मदा नदी घाटी में प्राकृतिक भौगोलिक घटनाओं के चलते भूकंप और ज्वालामुखी आतेध् निकलते रहे हैं और इसी कारण एक सल्फरयुक्त ज्वालामुखी से इस कुण्ड का निर्माण हुआ है और इस स्थान के नीचे सल्फर की चट्टानें है और इस चट्टानों के कारण ही पानी गर्म रहता है और सल्फर युक्त पानी में नहाने से ही चर्म रोग, खुजली, बैक्टीरियल इन्फेक्शन, मुहासे ठीक होना स्वाभाविक सी बात है।

पर्यटन स्थल के रूप में इस गर्म पानी कुण्ड मंडला का विकास कर दिया गया है, पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है और बैठने के लिए भी अच्छी व्यवस्था कर दी गई है। महिलाओं के लिए नहाने के बाद कपडे बदलने के लिए चेंगिंज रूप बने है और आप यहाँ पिकनिक मनाने और दोस्तों व् परिवार के साथ घुमने जा सकते है।

जोखिम से बचें गर्भवती महिलाएं, बरतें सावधानी

मंडला, देशबन्धु। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस शिविर में गर्भवती महिलाओं की प्रसव के पहले ही जांच के दौरान उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान हो जाती है या ऐसी कोई गर्भवती महिला चिन्हित होती है तो उन गर्भवती महिला का प्रसवकाल में विशेष ध्यान रखा जाता है। सीएमएचओ डॉ. केसी सरोते ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के तहत हर महीने की नौ तारीख को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जा रहा है। तय तिथि में अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस में शिविर का आयोजन किया जाता है।

जानकारी अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास कर रहा है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रति माह की 09 और 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के अंतर्गत गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच की जा रही है। जिससे जच्चा, बच्चा दोनों स्वस्थ रहे। मातृत्व दिवस शिविर में गर्भवती महिलाओं का एचआईवी, हिमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, यूरीन प्रोटीन, यूरिन क्लॉक एवं एल्बुमिन की जांच की गई। नारायणगंज सीएचसी प्रभारी सीबीएमओ डॉ. एएल कोल ने बताया कि गर्भवती महिलाओं की जांच के बाद अगर किसी भी महिलाओं में एंबनॉर्मल भ्रूण या गर्भाशय में किसी प्रकार की शिकायत रहने पर उसे पहले अच्छे स्वास्थ्य सेवा के लिए बेहतर अस्पताल भेजा जाता है, जिससे प्रसव के समय महिलाओं को कोई परेशानी ना हो। मातृत्व दिवस अभियान के अंतर्गत सभी सुविधाएं सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क दी जा रही है। डॉ. कोल ने बताया कि उच्च जोखिम गर्भावस्था या हाई रिस्क प्रेगनेंसी उसे कहते हैं जिसमें मां और शिशु दोनों में सामान्य गर्भावस्था की तुलना में अधिक जटिलता विकसित होने की संभावना होती है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर की गई महिलाओं की सभी तरह की जांच

गर्भवती महिलाओं का किया ओजीटीटी

मातृत्व दिवस में गर्भवती महिलाओं में डायबिटीज की जांच भी प्रमुखता से की जा रही है। यह ओरल ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट यानी ग्लूकोज सहनशीलता परीक्षण है। यह एक लैब टेस्ट है। इस टेस्ट से पता चलता है कि शरीर बड़ी मात्रा में चीनी को कितनी अच्छी तरह से संसाधित कर सकता है। यह टेस्ट अक्सर मधुमेह के निदान के लिए किया जाता है। इस टेस्ट के लिए गर्भवती महिला को ग्लूकोज वाला पानी पिलाया जाता है। जिसके करीब दो घंटे बाद रक्त का नमूना लेकर शरीर में शर्करा के स्तर की जांच की जाती है। गर्भवती महिला को दिया जाना वाला ग्लूकोज का शरबत बनाने के लिए 300 एमएल पानी में 75 ग्राम ग्लूकोज मिलाकर बनाया जाता है, जिसे टॉलरेंस टेस्ट के नाम से भी जाना जाता है।

गर्भवती महिलाओं की हो रही जांचे

शिविर में सभी गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण में हीमोग्लोबिन, शुगर, एचआईवी, ब्लड प्रेशर, सिकलिंग समेत तमाम जांच नि:शुल्क की जा रही हैं। जांच के आधार पर उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान की जाती है। ऐसी गर्भवती को चिन्हित कर प्रसव के लिए उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए रेफर किया जाता है। उन्होंने बताया हर स्वास्थ्य केन्द्र पर गर्भवती के पंजीकरण का प्रावधान है।

गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच जरूरी-

कुछ वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाएं पंजीकरण तो करा लेती हैं लेकिन जांच के लिए केन्द्र पर नहीं पहुंच पाती हैं, सीधे प्रसव के समय उनके परिजन उन्हें स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आते हैं। जिससे पूर्व की बिना जांच के जोखिम की स्थिति को तय कर पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार जोखिम की स्थिति में केन्द्र पर ही प्रसव कराना पड़ता है या उन्हें जब उच्च चिकित्सा केन्द्र ले जाने की सलाह दी जाती है तब तक जोखिम काफी बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में गर्भवती के लिए बहुत घातक हो जाती है।

प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम है युवा उत्सव : डॉ. मरकाम

भुआ बिछिया, देशबन्धु। शासकीय स्नातक महाविद्यालय भुआ बिछिया में प्रतिवर्षानुसार सत्र 2024-25 के अंतर कक्षा महाविद्यालयस्तरीय युवा उत्सव का आयोजन पांच से सात नवंबर तक किया गया। साहित्यिक कार्यक्रमों के अंतर्गत भाषण भारतीय ज्ञान परंपरा पर वाद-विवाद और भारत एक विश्व गुरु है पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दूसरे दिन रूपांकन प्रतियोगिता के अंतर्गत रंगोली, पोस्टर एवं स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उसमें विद्यार्थियों द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित रंगोली, रानी दुर्गावती का पोस्टर एवं पर्यावरण सुरक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम के समापन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एकल नृत्य समूह नृत्य एकल गायन एकांकी एवं मिमिक्री जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश्वरी मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष पंकजपुरी गोस्वामी एवं एल्युमिनाई समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल विशिष्ट आतिथि थे। मंच संचालन अनिल कुमार परते के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन साहित्यिक सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ राखी बंशकार ने किया। प्राचार्य डॉ .आर मरकाम ने कहा कि युवाओं में छुपी हुई प्रतिभा को निखारना एवं संवारना आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित युवा उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान किया जाता है, अपितु व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य छुपी होती है। उन्हीं प्रतिभाओं को निखारने का एक सशक्त माध्यम है युवा उत्सव। भारत युवाओं का देश है और युवा उत्सव के माध्यम से हम अपनी संस्कृति परंपरा एवं सभ्यता को सभी के सम्मुख प्रदर्शित करते हैं। अपनी लोक संस्कृति को प्रदर्शित करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो दिनेश कुमार चित्रीव, डॉ. भावना बावरा, प्रो रोहिणी कोष्टा, प्रो. शंकरलाल धुर्वे एवं समस्त स्टाफ का योगदान रहा।